



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	29-7-23	7	1

HAU grant for business ideas

Hisar: The Agribusiness Incubation Centre of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, will provide grants ranging from Rs 5 lakh to Rs 25 lakh for new business ideas. This grant will be given by the Union ministry of agriculture and farmers welfare.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ईर मूझ	२१-७-२३	१	५-४

कार्यक्रम

एचएयू के एविक सेटर ने मांगे आवेदन, युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त तक करना है ऑनलाइन आवेदन

हरियाणा न्यूज अहिसार

अगर आपके पास कोई विजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबांड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एप्रीविजनेस इक्यूबेशन सेंटर (एविक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान यांत्रिक दिला सकता है।

यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एविक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस सेटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फॉर्डिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके

मात्र एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता पच्चीस लाख रुपये



हिसार। एप्रीविजनेस इक्यूबेशन सेटर (एविक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरियाणा

अपना व्यवसाय स्थापित करने का सुनहरा अवसर

कुलपति द्वारा दिये गए अवसर के लिए तृप्ति क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का मक्का उद्योग उपलब्ध है। एविक सेटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार योजना की वजह से रोजगार दें वाले व्यक्ति का सकारात्मक उद्योग सेटर के माध्यम से स्टार्टअप देश का आइडियल बनाने वाले व्यक्ति के लिए यह अपना अमीका विभिन्न देशों साथ ही युवा फिल्म व उद्योग एविक सेटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोत्साहित योग्य संवादान्वयन, सर्विसेंस, प्रैक्टिशिन व गोडिंग तकरीक व्यापार की ओर संकेतिक लकाश देता है। ये योग्य कार्यक्रम उक्तों आइडियल बनाने वालों को कामी कर्मविकास व्यापार की ओर आकर्षित करते हैं। उक्तोंने कहा कि सेटर से अब तक जुड़े हुए उद्योगी व किसी ने वे कैरियर अपनी कृषि के प्रशिक्षण के लिए एप्लीकेशन किया जाएगा। ये योग्यों के प्रशिक्षण के बाद योग्यार्थी यही कोटी आयोजक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएंगी और यद्युग्मत आयोजक के बाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय निरत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देवेका अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

वार साल में 55 स्टार्टअप के लिए 6 करोड़ की राशि दी गई

पिछले चार वर्षों में 55 स्टार्टअप की केन्द्रीय कृषि कल्याण विभाग द्वारा छह करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा रही है। आयोजक को अपने आइडिया का प्रफेजल ऑनलाइन आयोजक करवा है जो किसी नहीं के प्रशिक्षण के लिए एप्लीकेशन किया जाएगा। ये योग्यों के प्रशिक्षण के बाद योग्यार्थी यही कोटी आयोजक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएंगी और यद्युग्मत आयोजक के बाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय निरत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देवेका अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

लिए पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में पांच लाख रुपये अनुदान राशि का प्रावधान है। कुलपति ने उक्तों कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
रैनी मास्क	२५-७-२३	५	१-५

भारतीय खास • एचएयू की वेबसाइट पर 28 अगस्त तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन एबिक सेंटर में पहल प्रोग्राम के लिए ₹5 लाख व सफल के लिए ₹25 लाख का मिलता है अनुदान

भारतीय खास | हिसार

बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया आगे आपके पास है तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबांड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर एबिक के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से दी जाएगी। इसके लिए आपको एचएयू की वेबसाइट



hau.ac.in पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है। एचएयू कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में

अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपए जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़

54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजेक्ट ऑनलाइन आवेदन करना है जो निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंजीनियरिंग कमेटी आरआईसी की तरफ से दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अहुल ढीपड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीराम शर्मा, प्रिसीपल इन्वेस्टीगेटर आरकेबीबीई डॉ. राजेश गोरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मीजूर रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमख्यार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२५६५५ ज१७४२०।	२९-७-२३	५	२-६

एक आइडिया कारोबार के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये

जागरण संवाददाता, हिसार : अगर आपके पास कोई विजेन्स करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाई व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीविजेन्स इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ़ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट hau.ac.in पर 28 अगस्त तक आनलाइन आवेदन करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बीआर काम्बोज द्वारा एग्रीविजेन्स इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुरस्कार का विभागन करते हुए। ० विजयि

दिया जाएगा दो माह का प्रशिक्षण

आवेदक को अपने आइडिया का प्रोफेजल आनलाइन आवेदन करना है जोकि निश्चित है। इसके बाद उस आइडिया का गूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआइसी डास दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पास भेजा जाएगा।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र एवं एबिक के अध्यक्ष प्रौ. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग

से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम देने सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले चार सालों में 55 स्टार्टअप को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों

से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

दूसरों को भी दो पांचे रोजगार: कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायत लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम योग्यिका निभाएंगे। इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, पूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकिंग व ब्रॉडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सन्धि क्र०५	२९-७-२३	५	२४

हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख

सच कहे / संदीप सिंहमार

हिसार। अगर आपके पास कोई विजेन्स करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबांड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय महायोग से स्थापित एग्रीक्युल्यन इक्यूवेशन सेटर (एबीक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको क्रिक्षु एवं सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति एवं परिवक के अध्यक्ष प्रो. डॉ. आर. कम्बोज के अनुसार इस सेटर के माध्यम से युवा किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लैडरेसिंग, ट्रैडर्सार्क व पेटेट, तकनीकी व फॉडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आधार दे सकते हैं। इसके लिए पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में 5 लाख रुपए जबकि महायोग में 25 लाख रुपए की अनुदान राशि का प्राप्तान है। उन्होंने बताया कि इनमें से 55 टार्टार्स को कैन्डीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 लाख व 54 लाख की राशि स्थीकृत ही जा सकती है। कूलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुरितका का दिया जारी।



पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाध्य

आवेदक को अपने आइडिया का प्रैजेजल औनलाइन आवेदन करना है जोकि नि शुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनियोरिटी वॉलिनियर व इंडियुवेशन कम्पनी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए देयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यहां पर आपनी वर्तीय उनको आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और वर्णित आवेदक के नाम के प्रस्तुत को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अतिम कैसला मंत्रालय की कम्पनी द्वारा किया जायगा।



एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा देशी दूसरे लोगों को भी रोजगार

कूलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण देने वाले बन सकते हैं इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देगा तो आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अद्य भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा किसान व उद्यमी परिवर्क सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, संरीक्षण, पैकिंग उद्डालन ठाके आपर की अपार सम्भालने पर लाभ सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ऑफर करोड़ों रुपये तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अमिल दीपांडा अनुसंधान निदेशक डॉ. जीताम शर्मा, प्रिसीपल इंवेस्टीगेटर (आरकेलीवाई) डॉ. राजेश गोर, संरीक्षण एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व परिवक के विजेन्स मैनेजर विक्रम सिंह भौजुद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभर उजाला	२१-७-२३	५	१-६

रोजगार

एचएयू के एविक सेंटर ने मांगे आवेदन, बेरोजगार युवाओं, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

बिजनेस का नायाब आइडिया दें और पाएं 25 लाख का अनुदान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आपको 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाई व भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय संबंधों से स्थापित एमीबिजनेस इंव्हेस्टेशन सेंटर (एविक) प्रक्रिया के तहत प्रदान करेगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in पर 28 अगस्त तक



एचएयू कुलपति प्रो. बी.आर. कामोज एमीबिजनेस इंव्हेस्टेशन सेंटर (एविक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए। स्वाद

ऑनलाइन आवेदन करना है। एचएयू के कुलपति एवं एविक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. कामोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग,

नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व

'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप को कैंट्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

एविक सेंटर से प्रशिक्षित युवा द्वारा प्रदान दूसरे लोगों को भी रोजगार : बीसी ने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आपनियम बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही, युवा,

किसान व उद्यमी एविक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकिंग व ब्रॉडिंग कार्यक्रमों की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कैपनी का टर्न ऑवर करोड़ों रुपये तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एविक के डायरेक्टर डॉ. अमृत ढांगड़ा, अनुरंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेबीवाई) डॉ. राजेश गोरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एविक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मीडिया



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

'उम्मीद सभान्या' २

दिनांक

२९-७-२३

पृष्ठ संख्या

५

कॉलम

३-६

एथेट्र के एथिक सेंटर ने मांगे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बैरोज़गारों, छितानों व खगियों के लिए सुनहरा प्रकरार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख : प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): अगर आपके पास कोई विजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवार्द व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सम्बोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एथिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय बैब्साइट hau.ac.in पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एथिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तक का विमोचन किया। आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा। कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एथिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस अवसर पर एथिक के डायरेक्टर डॉ. अमूल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गोरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एथिक के विजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नेट रिप्पन	२९-७-२३	४	३

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन

हिसार, 28 जुलाई (रुपा)

अगर आपके पास बिजनेस का कोई नया आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) में स्थापित एबीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान दिला सकता है। यह अनुदान दिला एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना है। कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. डॉ. आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा संविधित क्षेत्र में प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब मेसरी	२९-७-२३	२	।

एच.ए.यू. के एविक सेंटर ने मांगे आवेदन

हिसार, 28 जुलाई (ब्यूरो): अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नालाड़ी व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय संकाय से स्थापित एग्रीबिजनेस इन्ड्यूशन सेंटर (एविक) के माध्यम से कम से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि द्विला सकता है। यह अनुदान राशि सूक्ष्म प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज़	28.07.2023	--	--

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये, एचएयू के एविक सेंटर ने मांगे आवेदन

योगदान लेगा

हिसार। अगर आपके पास कोई विकल्प नहीं है, तो यह आइडिया आपको खौफनी चाल मिल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार व कृषि एवं विज्ञान कलायान मंडलाय, भालू भालूकर के विशेष सहयोग से स्थापित एवेंजिनियरिंग सेंटर (एविक) के विभाग में 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान दिला सकता है। यह अनुदान यों है कि एक विकल्प के तहत कृषि एवं विज्ञान कलायान मंडलाय, भालू भालूकर द्वारा दिला जाएगा। इसके लिए आपको मिस्र की ओर से चाल मिल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 26 अक्टूबर, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

इन्होंने आइडिया को फिल माकरी है 25 लाख तक की संदर्भ

खौफनी चाल मिल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एकक के अध्यक्ष डॉ. वी.आर. कल्याण के अनुसार इस सेंटर के विषय में युक्त विज्ञान व उदाहरण



विज्ञानिक व युवक अवसर है। एविक सेंटर से प्रशिक्षण इन्स्ट्रुमेंटेशन कामेटी व विशेष महावाला सेंटर कुछ दोकान खोजने अपनी जानकारी द्वारा दी की बजाय दोजपत्र देने वाले बन सकते हैं। यादेने के प्रशिक्षण इन्स्ट्रुमेंटेशन के लिए वर्षन में स्टार्टअप्स टेक को आवश्यकता बनाने की दिल में अपने पूर्वका विज्ञानी इनके सभायी कूप्या, विज्ञान व उदाहरणीय एविक सेंटर के विषय में कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण, सूना सम्बन्ध, मीटिंग्स, ऐक्टिविटी व छात्रांग कारोबार की अपनी संस्थापना करना है। ये दोनों कारोबार के उनकी आवश्यकीय बदलाव में कामी भवदार भवित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक तुड़ी दुध उदाहरणीय विज्ञान ने न केवल अपनी कौटीनी का टार्न और एक बड़ी साझा तक लूंगाया है अपने उन्होंने दोनों लोगों को बोकाहर भी प्रदान किया है।

इस अवसर पर एविक का उपरोक्त डॉ. अनुदान दीपाली, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतसुभ्रम जामी, विशेषज्ञ इन्वेस्टीगेटर (अकेलोहाल) डॉ. राजेन्द्र नेता, मीडिया प्राविष्ठान डॉ. संदीप अवेर व एविक के विवरण संग्रह विज्ञान मिशन पौरुष हैं।

कृषि कलायान मंडलाय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की गंती स्ट्रीट को जा चुके हैं। कूलकर्णी ने उक्त कारोबारों से संबंधित विज्ञान पुस्तकों का विवेचन किया। आपको दे सकते हैं। इसके लिए "हाल" व "सफल"-2023 नाम से दो प्रोजेक्ट हैं, जिनमें "हाल" प्रोजेक्ट में 5 लाख रुपये जबकि "सफल" प्रोजेक्ट में 25 लाख रुपये की अनुदान दीर्घ का प्रावधान है। उन्होंने चालाया विज्ञान 4 सालों में 55 लाखरुपय को कियोग्य दीर्घ एवं

आवेदकों के लिए आयु व विज्ञा नहीं बनानी चालाया। अवेदक को अपने आइडिया का प्रयोग अनुदान आवेदन करना है जोकि विज्ञान और विज्ञान के लिए कृषि के द्वारे लानों की भी गोलगा। कूलकर्णी ने कहा कूलकर्णी के लिए कृषि के द्वारे लानों के लिए एवं अपने व्यवसाय संस्थान बनाने का एक



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम् छोर	28.07.2023	--	--

‘एक आइडिया आपको दिला सकता है 5 से 25 लाख’

एचएयू के एविक सेंटर ने मांगे आवेदन

नम्-छोट न्यूज नं: 28 जूलाई
हिसार। अगर आपके पास कई किजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाड़ व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एवीबिजिनेस इन्क्युबेशन सेंटर (एविक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान ग्राही दिला सकता है। यह अनुदान ग्राही एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगा। इसके लिए आपको सिर्फ़ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त के अंतर्वासन अवेदन करना है। कुलपति एवं एविक के अध्यक्ष डॉ. बीबद्र काम्होज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से दुक्का, किसान य उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइंसेंसिंग,



ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फॉटोग्राफ़ से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि शेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए पहले व सफल-2023 नाम से दो प्रोजेक्ट हैं, जिसमें पहले प्रोजेक्ट में 5 लाख रुपए, जबकि साफल प्रोजेक्ट में 25 लाख रुपए की अनुदान ग्राही का प्रावधान है। उम्हीने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की ग्राही स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रम से संबंधित विवरण पूर्णतया का विवेचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा

नहीं बनेगी वाढ़ी

आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजेक्ट अंतिमान आवेदन करना है जोकि निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का नूनवार्सेटी ऐक्यानिक व इन्क्युबेशन कमेटी आग्रा आईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए बदन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और बदनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान ग्राही के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान ग्राही देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा

किया जाएगा।

एविक सेंटर से प्रशिक्षित युवा देशी दूसरे लोगों को भी रोजगार कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि शेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर है। एविक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार स्थापित करने वाले वा सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम योग्यिका निभाएंगे इसके साथ ही दुक्का, किसान व उद्यमी एविक सेंटर के माध्यम से कृषि के शेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसेंस, ऐक्यानिक व आइडिया करके व्यापार को अपार संभावनाएँ तलाश सकते हैं। वे दोनों कार्यक्रम उपको आत्मनिर्भर बनने में काफी मददगार सहित होंगे। इस अवसर पर एविक के डॉकेटर डॉ. अतुल डॉगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रियोपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेबीवाई) डॉ. राजेश गोरा, मैटिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एविक के किजनेस मैनेजर विवेक सिंह गौजूद द्वारा

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	28.07.2023	--	--

देविक पाठकपक्ष, हिसार, शुक्रवार, 28 जुलाई, 2023

एचएयू के एविक सेंटर ने मांगे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये : कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 जुलाई : अगर आपके पास कोई विजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौथारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विभाविद्यालय में नाबाड़ व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय संसद्योग से स्थापित एप्रीविजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एविक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ़ चौथारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विभाविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 28 अगस्त, 2023 तक अनिलाइन आवेदन करना है।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेंगी बाध्य

आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजेक्ट अनिलाइन आवेदन करना है जोकि नि:शुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का दूनविसिस्टी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोहरा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी।



चौथारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विभाविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज द्वारा एप्रीविजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एविक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

एविक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी गेजगार

कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एविक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा गेजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को अत्यनिवार बनने की दिशा में अहम

भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एविक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसेंस, ऐक्जिंग व छार्टिंग करके व्यापार की अपार मंभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कैफीयत और आवार बोले रापए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एविक के डायरेक्टर डॉ. अतुल दीगढ़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा,

इनोवेटिव आइडिया को मिल सकती है 25 लाख तक की ग्रांट

चौथारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विभाविद्यालय के कुलपति एवं एविक के अध्यक्ष प्रो. वी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फॉडिंग से संबंधित प्रक्रियाएं लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को बना आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने कहा या पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण प्रसिद्धका का विमोचन किया।

मौहिया एडवाइजर डॉ. संदीप आद्य व एविक के विजनेस मैनेजर विक्रम सिंगु मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज़	28.07.2023	--	--

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये : कुलपति एचएयू के एविक सेंटर ने मांगे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों, युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

स्वतन्त्र हिन्दूवाद जन्म
हिंदू, 28 जूलाई। अपने जन्मदिन परम
शोधी विद्यालय बढ़ाने का नाम शशीकांत वा
शशीकांठ रखे हैं। तो यह अवधिवाच अपनी
पीढ़ी की धरातल पर उत्तम हिन्दूवाद वा
प्राचीन विद्यालयों में जाकर एवं कृपि एवं
विभिन्न विद्यालयों में विद्यालय एवं
विद्यालय कालावधि विद्यालय एवं स्वाधीन शास्त्रियों
उन्नत्योग्यों द्वारा (एवं विद्यालय) के नामांकण से 5
से 25 साल की वयों की अनुमति सहित दिया
जाता है। यह अनुमति यह एक प्राचीन
विद्यालय के गत एवं विद्यालय कालावधि
विद्यालय एवं स्वाधीन द्वारा दी जाती है।

इसके लिए आपको निर्म सौभाग्य वाले
मिह इरिप्रेट कृषि विभागीय संघ
सेक्सट द्वारा 28 अप्रैल, 2023 तक
अनुमति जारी करता है।

प्रृथमोंटिंग अधिकारीय को निम्न समीक्षा है
25 लाख लक्ष की छाप
प्रृथमी चरण में तीन वर्षायाम बुधि
विविधताओं के विवरण एवं एक विकास
के अन्तर्गत दो वै. अर्थ. अस्थायी के अन्तर्गत
एवं दो वै. अर्थ. अस्थायी के अन्तर्गत
एवं दो वै. अर्थ. अस्थायी के अन्तर्गत

ट्रिलोकपुर व पेट्रोल लैबोरेटरी व चार्टिंग में संभवित प्रतिक्रिया सेवन कृति कोष में अपने स्टार्टअप को बढ़ा आवश्यक है जबकि है। इसके लिए "पहला" व "मध्यम" - 2023-2025 वर्षों के दो श्रोताओं हैं, जिनमें "पहला" प्रोजेक्ट में 5 लाख रुपये वाली जनरल "मध्यम" प्रोजेक्ट में 25 लाख रुपये वाली जनरल राजा वाली है। उनमें बढ़ावा दिया जाने 4 वर्षों में 55 स्टार्टअप्स को लिंकोड कृति वाले कृति कल्पना मार्गदर्शन द्वारा 6 करोड़ 54 लाख रुपये की राशि संप्रदाय को या भुक्ति के सुनपति ने तक कार्यालयों में संचालित विकास परियोग का सिद्धांत दिया।

आपेक्षाओं के लिए आदृत विकास नहीं
करने की जगह



के प्रतिक्रिया को अनुदृढ़ रखी के लिए कृषि एवं किसान सम्बन्ध मंत्रालय भारत सरकार के पायं भेजा जाएगा तथा अनुदृढ़ रखी होने का अंतिम प्रैमिल नियमाला की कम्पीटी द्वारा किया जाएगा।

एकीकृत सेटर से प्राप्तिक्रिया पूछा देखा गया

सुनील शुक्रानी को भी रोजगार कमीशनर ने बहुत कुशलों के लिए कृषि देश में अपना व्यवस्था प्रभावित करने का एक सुझाव अवश्य है। एकीकृत सेटर से प्राप्तिक्रिया व विवेचन मानवान्वयन के बाहर आयी ज्ञानों को जबरदस्त रूप से उपलब्ध कराना चाहिए और इसके लिए बहुत सारी हैं। इस सेटर के मानवान्वयन में व्यावर्तीय देश को अपनायी रखने की दिशा में अधिन भूमिका निभाएंगे। इसके बाय ही पूछा, किसका व उत्तरी एकीकृत सेटर के व्यवस्था में कृषि के लिए में प्रयोगिक, मूल्य व्यवर्थन, संवर्तन, पैदलिंग व बाड़ियां करने के लियापाणी की सम्भावना तात्पुरता स्वाक्षर है। ऐसे दोनों कार्यालय इनको अपनायी रखने में विशेष व्यवस्था लेनी चाहिए। उन्हें कठा